



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 1
PART III—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 13]
No. 13]

नई दिल्ली, सोमवार, जून 17, 1985/ज्येष्ठ 27, 1907
NEW DELHI, MONDAY, JUNE 17, 1985/JYAISTHA 27, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके
Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

सक्षम प्राधिकारी कार्यालय,
निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त (अर्जन) रेज
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269ख (1) के अधीन सूचना

बंगलूर, 26 मार्च, 1985

नोटिस नं. 44712/84-85—यत मुझे आग भारत राज
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, बंगलूर
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है की धारा 269ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
ह कि स्थावर संपत्ति, जिसके उचित बाजार मूल्य 25,000/रु
से अधिक है और जिसकी स एक्स 117-1 और 117 2
है, तथा जो कुल विलेज बंगलूर में स्थित है (और
इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन ता
21-9-84 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार से कम के

दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय बंगलूर में
धारा 269 ए वी. अंतर्गत सक्षम अधिकारी के सम्मुख/के
पास रजिस्ट्रीकृत किया गया है मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यह पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखत में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बन्त, आयकर अधि
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किमी धन या अन्य आस्तियों
की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का
11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए ।

अन्य अथवा उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्वयेण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की धारा (1) के तहत निर्माणागत व्यक्तियों अधिनियम -

- 1 श्री पद्मानाभा भंडारकर, कुलै मंगलूर (अनुराग) ताल्लुक
- 2 श्री पि उमेश आचार बैंक ऑफ इंडिया (अनुराग) पनमबूर

को यह सूचना जारी करके पब्लिक समिति के अंतर्गत के लिए कार्यवाहीदा शुरू करना है। उक्त समिति के अंतर्गत के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्याप्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- यहाँ प्रयुक्त शब्दों का जिनका प्रयोग उक्त अधिनियम के अध्याय XXक में किया गया है, वही अर्थ होगा जिस रूप में उस अध्याय में इनकी परिभाषा की गयी है।

अनुराग

दस्तावेज सं 1197/84 ता. 21-9-84

संपत्ति है जिसकी सं एम 117-1 117-2, जो कुलै विलेज, मंगलूर ताल्लुक में स्थित है।

तारीख 26-4-85

मोहर :

OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY/
INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE

NOTICES UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

Bangalore, the 26th March, 1985

C.R. No. 62/44712/84-85/ACQ/B :-Whereas, I R. Bhardwai Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market

value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.S. 117-1 117-2 situated at Kulai Village, Milore Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at Mangalore with the competent authority under Section 269AB, in his office at Mangalore on 21-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely -

- (1) Shri Padmanabha Bhandarkar Transferor(s)
Kulai, Mangalore
- (2) Shri P. Umesh Achar, Transferee(s)
Bank of India,
Panambur

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

[Registered Document No. 1197/84-85 Dated 21-9-84].

Property bearing S. No. 117-1, 117-2, Kulai Village, Mangalore Tq.

Dated : 26-4-85

Seal :

बंगलूर 30 मार्च, 1985

नोटिस नं. आर. 1346/37EE—यस मझे आर. भारद्वाज सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज बंगलूर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है की धारा 269ख के अधीन सश्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसके उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी स. सर्वे नं. 9/1 है, तथा जो विनैज कोर्टी विनैज पंचायत काले गोवा में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में ओर गुण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन ता. 26-9-84 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय बंगलूर में धारा 269 ग. की. के अंतर्गत सश्रम अधिकारी के समक्ष के पास रजिस्ट्रीकृत किया गया है मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धत प्रतिफल में अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की दृष्टि, सावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के उद्देश्यार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तर्गत में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

1. श्रीमती. मानवार्वा कृष्ण नायक (अन्तरक)
2. श्री बाबु कृष्ण नायक
3. मिस. शार्वती कृष्ण नायक

4. मिस. गुमुन्दा कृष्ण नायक
5. श्री मोहन कृष्ण नायक
6. श्री शणिकान्त कृष्ण नायक
7. श्रीमती. मुमाल अनियास जयतीबाई दिलीप मामलेदार
8. श्री दिलीप वामन मामलेदार
9. श्री गुमुन्दा कृष्ण नायक कारकांरम, गोवा

मैसर्स चांगुले अड कंपनी (प्रा.) लिमिटेड रजिस्टर्ड आफिस चांगुले हॉम मरसगोवा हांगवर, गोवा इंडिया (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बर्जन के लिए एतद् द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त संपत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होले ता, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

गणनीकरण :—इसमें उद्घृत शब्दों की जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अन्वय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अन्वय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज नं. 1249/84-85 ता. 26-9-84)

संपत्ति है जो "तोरेलेम मोल" या आलेलेम मोल जो विनैज कोमटी विनैज पन्नायन काले, गोवा में स्थित है तारीख 30-4-85

मोहर

Bangalore, 30 March, 1985

C.R. No. 62/R-1346/37EE/84-85/ACQ/B:—Where as, I, R. Bhardwaj, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 9/1 situated at Village Corti, Village Panchayat Kalay Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Bangalore with the competent authority under Section 269AB, in his office at Bangalore under Registration No. 1249/84-85 on 26-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid

exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Mrs. Kaushaliabai Krishna Naik Transferor(s)
2. Mr. Vithoo Krishna Naik
3. Miss Shalini Krishna Naik
4. Miss Suganda Krishna Naik
5. Mr. Shashikant Krishna Naik
6. Mr. Mohan Krishna Naik
7. Mrs. Sumati alias Jayantibai Dilip Mamledar
8. Mr. Dilip Vaman Mamledar
9. Mr. Surendra Krishna Naik for self and as constituted Attorney for Nos. 1 to 8.

R/o Curchorem, Goa.

M/s. Chowgule and Co. (P) Ltd., Transferee(s)
Regd. office Chowgule House,
Mormugao Harbour, Goa. India

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons which ever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Registered Document No. 1249/84-85 Dated 26-9-1984.

Property known as "Thorlem Moll" or "Ollem Moll" situated at Village Costi Village Panchayat Kalay, Goa,

Dated : 30-4-85

Seal

बंगलूर, 29 मार्च, 1985

नोटिस नं 43993/84-85 - यन मुझे आर भारद्वाज सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेन्ज बंगलूर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे हमने उनके पत्रवात 'उपन अधिनियम' कहा गया है की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि म्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है और जिसकी रा आर एम नं 138-47, 114-2 है, तथा जो डेरेबैन विलेज मंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन ता. 13-9-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय मंगलूर में धारा 269 ए. बी. के अन्तर्गत मन्त्र अफिकारी के सम्मुख के पाम रजिस्ट्रीकृत किया गया है मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उनके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अन्तरकों) और अनरिनी (अनरितियों) के बीच ऐसे अतरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है -

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयदाय अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सन्धि के लिए

अन्य उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों उद्घातः :-

- 1 श्री वि. सदाशिव रा, (अन्तरक)
"देवि कृपा", II फ़ास,
वास लेन. मंगलूर
- 2 श्री डाक्टर मि वि. देव्देव्या, (अन्तरिनी)
- 3 श्रीमती स्वारूप देव्देव्या,
विनया क्लिनिक और नरसिंग होम,
कंकरावपाडि, मंगलूर (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू कर रहा हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध में कोई भी अप्ति -

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर

सचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त उक्त सम्पत्ति में हिस्सेदारी किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— यहाँ प्रयुक्त शब्दों का, जिनका प्रयोग उक्त अधिनियम के अध्याय XXक में किया गया है, वही अर्थ होगा जिस रूप में उस अध्याय में इनकी परिभाषा की गयी है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं. 901/84-85 ता. 13-9-84)

सम्पत्ति है जिसकी सं., आर. एम. 138-4A, 114-2, जो डेरबैल विलेज, मंगलूर में स्थित है।

तारीख 29-4-85

मोहर :

Bangalore, the 29th March, 1985

C.R. No. 62/43993/84-85/ACQ/B.— Whereas, I R. Bhardwaj Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961). (Hereinafter referred to as the "said Act") have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- & bearing No. RS 138-4A, 114-2, situated at Derebail Village, Mangalore. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Mangalore with the competent authority under Section 269AB. in his office at Mangalore on 13-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore be more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the

said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

- (1) B. Sadashiva Rai.
"Devi Kripa", II Cross,
Vas Lane, Mangalore. Transferor (s)
- (2) Dr. C. B. Devaiah, Transferor (s)
- (3) Smt. Swaroop Devaiah,
Vinaya Clinic & Nursing Home,
Karaungalpady, Mangalore.
(Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- by any of the aforesaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

[Registered Document No. 901/84-85 Dated 13-9-84]
Property bearing No. RS.138 4A-114-2, in
Derebail Village, Mangalore.

Date : 29-4-1985.

Seal :

बंगलूर, 26 अप्रैल, 1985

नोटिस सं. 44525/84-85.— वन : मुझे आर. भारद्वाज सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेन्ज, बंगलूर आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है की धारा 269 ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसके उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक है और जिसकी संख्या 91 है, तथा जो कामवा बाजार विलेज मंगलूर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 14-9-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार से कम

के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय मंगलूर में धारा 269 ए.वी. अ के अंतर्गत मक्षम प्राधिकारी के सम्मथ/के पास रजिस्ट्रीकृत किया गया है। मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और जनरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये नया पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से काथन नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की शान्त, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तर्गत के बांयल्य में कमी करने या उसमें घटने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269घ के अनुसरण में उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन—

1. श्री आर.टी. गेरार्ड आलबुकरक (अन्तरक)
कोल्लिन्देल नेहरू अवेन्यू
वास रोड, मंगलूर
2. श्री जी. विवेक कामत (अंतरिती)
मंगलूर कॉम्पान्डेन्स कॉलेज
फेलिक्स पै बाजार, मंगलूर
3. श्री जी. रमेश कामत
मंगलूर कॉम्पान्डेन्स कॉलेज,
मंगलूर (यह व्यक्ति जिसके अधिमोक्ष में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या सम्बंधी व्यक्तियों पर नोटिस की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस नोटिस के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के अंतर उक्त स्वाक्षर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोः स्वाक्षरी के पास लिखित में की जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— यहाँ प्रयुक्त शब्दों का, जिनका प्रयोग उक्त अधिनियम के अध्याय XXक में किया गया है, वही अर्थ होगा जिस रूप में उस अध्याय में उनकी परिभाषा की गयी है।

अनसूची

(दस्तावेज स. 911/84-85 ता. 14-9-84)

सम्पत्ति है जिसका स. 91 जो कामबा बाजार विलेज मंगलूर में स्थित है।

दिनांक 26/4/85

मोहर :

आर भारद्वाज मक्षम प्राधिकारी
(सहायक आयकर आयक्त निरीक्षण)

Bangalore, 26th April, 1985

C.R. No. 62/44525/84-85/ACQ/B I—Whereas, I, R. Bhardwaj Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 91 situated at Kasaba Baraar village, Mangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at Mangalore with the competent authority under Section 269AB, in his office at Mangalore on 14-9-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) R. T. Gerard Albuquerque,
Colindale, Nehru Avenue,
Cross Road, Mangalore.

Transferor (s)

- (2) G. Vivek Kamath,
Mangalore Correspondence College,
Felicé Pai Baraar, Mangalore.

Transferee (s)

- (3) G. Ramesh Kamat,
Mangalore Correspondence College,
Mangalore.

[person(s) in occupation
of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official

Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

[Registered Document No. 911/1984-85 Dated 14-9-84,
Property bearing No. 91, Kasaba Baraar Village,
Mangalore.

Date 26-4-85.

Seal

R. BHARADWAJ,

Competent Authority,

(Inspecting Assistant Commissioner)

